

साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**



वर्ष : 2 | अंक : 43 | गोंदिया : गुरुवार, 2 से 8 जुन 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

गुणवत्तापूर्ण मार्गों व पुलों के निर्माण से होगा जिले का सर्वांगीण विकास

गोंदिया को स्मार्ट सिटी बनाने का सभी मिलकर करें कार्य - केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी



बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के आमगांव-गोंदिया राष्ट्रीय महामार्ग व फ्लाईओवर के निर्माण, गोंदिया बालाघाट बस स्टैंड के पास रेलवे क्रॉसिंग व शहर के हड्डीटोली रेलवे क्रॉसिंग पर 349.24 करोड रुपए की लागत से पुल का निर्माण कार्य किया जाएगा। जिसका डिजिटल उद्घाटन 29 मई रविवार को शहर के क्रीड़ा संकुल में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गुणवत्तापूर्ण सड़कों व पुलों से जिले का सर्वांगीण विकास होगा तथा गोंदिया शहर को आधुनिक विकसित स्मार्ट सिटी बनाने का कार्य सभी मिलकर करें न कि शहर मैं हम महामार्ग का निर्माण करें और वहां पर जमीन का व्यवसाय होने लगे।

आगे उन्होंने कहा कि गोंदिया जिले में नेशनल हाईवे के कई कार्य पूर्ण होने वाले हैं तथा कुछ काम शुरु भी हो चुके हैं, जिनका आज भूमि पूजन किया गया है। साथ ही शहर के पश्चिमी हिस्से में रिंग रोड के लिए भूमि का अधिग्रहण का कार्य चल रहा है तथा मांग किए जाने पर निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के समीप रिंग रोड के कार्यों को आज मंजूरी दी जाती है। आगामी के महीने में उसका भूमि पूजन किया जाएगा तथा प्रस्तावित रिंग रोड परिसर में सभी ने मिलकर गोंदिया शहर को आधुनिक विकसित बनाने हेतु स्मार्ट सिटी बनाने का कार्य करें। नहीं तो मैं सड़क बना दूंगा तथा उपरोक्त क्षेत्र जमीन का व्यवसाय कर मुनाफा कमाने का धंधा शुरु हो जाएगा, ऐसा नहीं होना चाहिए।

इस अवसर पर उन्होंने आमगांव गोंदिया राष्ट्रीय महामार्ग फ्लाईओवर के निर्माण गोंदिया बालाघाट बस स्टैंड के पास रेलवे क्रॉसिंग व गोंदिया शहर के हड्डीटोली रेलवे क्रॉसिंग पर 349.24 करोड रुपए की लागत से फ्लाईओवर के निर्माण का भी उद्घाटन किया। साथ ही तिरोड़ा गोंदिया मार्ग पर 60 करोड रुपए के उड़ान पुल का निर्माण किया जाएगा, जिसकी घोषणा की जा रही है। साथ ही देवरी-आमगांव गोरेगांव-गोंदिया सड़क पर महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ सीमा पर वैनगंगा नदी पर पुल का निर्माण तकरीबन पूर्ण होने की स्थिति में पहुंच चुका है। सौंदड में 130 करोड़ रुपए के फ्लाईओवर का कार्य चल रहा है। आगामी 6 महीने में रावणवाड़ी से बालाघाट टी-पॉइंट तक महामार्ग का निर्माण किया जाएगा तथा महामार्ग के निर्माण के दौरान जिले की कई नदियों और नालों को गहरा व चौड़ा किया गया है जिससे जल संरक्षण के भी कार्य किए गए हैं। बड़ी संख्या में तालाबों का निर्माण किया गया है, जिसका लाभ किसानों को होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की मंजूरी प्राप्त होने पर पंगोली नदी को पुनर्जीवित किया जाएगा जिस से निकलने वाली मिट्टी व मलवे का उपयोग राजमार्ग के निर्माण हेतु किया जाएगा, जिससे नदी की गहराईकरण का कार्य पूर्ण होगा।



ड्राई पोर्ट का निर्माण

गोंदिया जिला चावल उत्पादन जिला है जिससे जिले में बड़े पैमाने पर चावल का निर्यात किया जाता है। जिसमें मांग के अनुसार ड्राई पोर्ट का निर्माण रेलवे लाइन के समीप किया जाएगा तथा एमआईडीसी में 200 एकड़ जमीन राज्य सरकार द्वारा प्राप्त होती है तो आगामी 6 महीनों में उसका भूमि पूजन करने का आश्वासन दिया है। जिससे जिले के किसानों को इसका लाभ प्राप्त होगा।

चावल के अलावा तिलहन व अन्य उत्पादन भी करें

किसान उन्होंने कहा कि चावल का उत्पादन देश में बड़े पैमाने पर हो रहा है जिसके चलते अब किसान तिलहन व अन्य उत्पादन पर भी अधिक ध्यान दें जिससे उन्हें और अधिक लाभ प्राप्त होगा। किसान अन्नदाता के साथ-साथ उर्जा दाता भी बने। केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल में 20प्रश एथेनॉल का इस्तेमाल शुरु किया है। जिससे किसानों की आय में वृद्धि होंगी।

नागपुर मेट्रो का गोंदिया तक विस्तार

गोंदिया से नागपुर मेट्रो का विस्तार का कार्य जल्द ही शुरु होगा तथा मेट्रो के शुरु होने से गोंदिया नागपुर का सफर 1 घंटे 5 मिनट में संभव होगा। इसके साथ ही नागपुर से गोंदिया, गोंदिया से चंद्रपुर, चंद्रपुर से नागपुर तक रिंग मेट्रो होंगी, जिससे इस क्षेत्र के नागरिकों को रोजगार के लिए आने जाने में काफी सुविधा प्राप्त होंगी तथा गोंदिया का व्यक्ति नागपुर तथा नागपुर का व्यक्ति गोंदिया में भी कार्य कर सकता है।

इस अवसर पर सांसद प्रफुल पटेल ने गोंदिया के पश्चिमी बाईपास का निर्माण जल्द शुरु करने व तिरोडा से बालाघाट मार्ग तक रिंग रोड का निर्माण निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के पास से किए जाने की मांग की साथ ही किसानों के उत्पादन के निर्यात के लिए ड्राई पोर्ट निर्माण की मांग की जिसे केंद्रीय मंत्री ने मंजूरी दी। सांसद सुनील मेंढे ने पांगोली नदी को पुनर्जीवित करने व गोंदिया से पुणे व मुंबई के लिए बिरसी विमानतल से हवाई सेवा शुरु करने व जिले में चावल निर्यात के लिए ड्राई पोर्ट को मंजूरी देने का अनुरोध किया, जिसे भी केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक जवाब देते हुए जल्द ही शुरु करने का आश्वासन दिया।



उपरोक्त कार्यक्रम में सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल पटेल, सांसद सुनील मेंढे सांसद अशोक नेते, विधायक परिणय फुके, विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक विजय राहंगडाले, जिला परिषद अध्यक्ष पंकज राहंगडाले, पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष केशव मानकर, पूर्व विधायक संजय पुराम, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, रमेश कुथे, हेमंत पटले, भेरसिंह नागपुरे, खोमेश्वर राहंगडाले सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि व नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की प्रस्तावना सड़क परिवहन मंत्रालय के क्षेत्रीय अधिकारी राजीव सिंह ने रखी तथा आभार राष्ट्रीय महामार्ग विभाग के कार्यकारी अभियंता नरेश बोरकर ने माना।

दूरदृष्टा व प्रगतिशील विचारों के नेता हैं नितिन गडकरी - सांसद प्रफुल पटेल

शहर में रिंग रोड को केंद्रीय मंत्री गडकरी ने दी हरी झंडी



बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर से होकर गुजरने वाले राजमार्ग के भूमि पूजन कार्यक्रम के अवसर पर सांसद प्रफुल पटेल द्वारा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के संदर्भ में कहा कि वे प्रगतिशील विचारों के दूरदृष्टा नेता है तथा उनकी कार्यशैली विकासात्मक है। इस अवसर पर उन्होंने गोंदिया शहर के लिए रिंग रोड की मांग की जिसमें तिरोडा राष्ट्रीय महामार्ग से निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज कुड़वा, कटंगी होते हुए बालाघाट राष्ट्रीय महामार्ग को जोड़ने की मांग की जिसे मंजूर करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा हरी झंडी दी तथा जल्द ही इसके निर्माण कार्य शुरु होने का उन्हें आश्वासन दिया।

इस अवसर पर सांसद प्रफुल पटेल ने आगे कहा कि 27 मई को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के जन्म दिवस के अवसर पर उन्होंने उन्हें बधाई देने के लिए फोन किया तो उन्होंने कहा कि 29 तारीख को गोंदिया चलना है। जब उन्होंने कहा कि मैं राज्यसभा के फार्म भरने की तैयारी कर रहा हूं तो उन्होंने कहा कि यह कोई बड़ी बात नहीं है। आप राज्यसभा जाएंगे ही तथा आज उनके साथ सुबह हेलीकॉप्टर से गोंदिया आया हूं। हमारी मित्रता करीब 35 से 40 वर्ष पुरानी है, भले ही हम अलग-अलग पार्टी के नेता हैं। चुनाव में एक दूसरे पर भाषण करते हैं किंतु जब विकास के कार्य सामने आते हैं तो हम एक होकर उसे प्राथमिकता देते हैं। कुछ प्रसंग का उन्होंने उल्लेख किया कि जब वह केंद्र में मंत्री थे तब गडकरी ने बायोएथेनॉल के बारे में मुझसे कहा था उस वक्त नितिन गडकरी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। जब मैंने उनसे मिलने आता हूं कहा तो वे खुद चलकर आए और एथेनाल के उपयोग पर चर्चा हुई और आज इथेनॉल उपयोग को लेकर एक बड़ी क्रांति हो रही है।

प्रफुल पटेल ने आगे कहा कि जब राज्य में वह मंत्री थे तब 9 फरवरी को उनके पिता स्वर्गीय मनोहरभाई पटेल की जयंती समारोह का आयोजन था, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा आने वाले थे तथा राज्य प्रोटोकाल के तहत नितिन गडकरी भी उनके साथ आने वाले थे। किंतु कुछ कथित लोगों द्वारा इस कार्यक्रम को खराब करने के लिए अफवाह फैला दी थी। जिस कारण राष्ट्रपति भवन से फोन आकर दौरा रद्द होने वाला था। उस दौरान गोंदिया से कोई हवाई जहाज की सुविधा नहीं थी तब मैं नागपुर पहुंचकर नितिन गडकरी से भेंट की और उन्होंने राष्ट्रपति से बात कर इसे अफवाह बता कर गोंदिया आने के लिए कहा था। जब हम कभी मिलते हैं तो अक्सर यह बात निकलती है कि विदर्भ में नेता तो बहुत है पर विजन और बेहतर सोच वाले नेताओं की कमी है। गडकरी पहले ऐसे व्यक्तित्व के धनी हैं जिन्होंने राज्य में सार्वजनिक बांधकाम मंत्री पद पर रहते हुए पुलों का जाल बिछाया व देश का सर्वप्रथम मुंबई पुणे एक्सप्रेस हाईवे का निर्माण किया। कुछ दिनों पूर्व वर्षा पटेल व नितिन गडकरी प्लेन से नागपुर आ रहे थे, जहां मुलाकात होने पर वर्षा पटेल द्वारा भंडारा जिले के लाखनी और साकोली उड़ानपुल को शुरु करने पर चर्चा की। जिस पर तत्काल निर्णय लेते हुए गडकरी ने फोन लगाकर पुल शुरु करने का निर्देश दिया और आज इसकी शुरुआत भी हो गई।

३२ वर्ष का सश्रम कारावास भुगतना होगा नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी प्रवीण कुसराम को

मेहमान बनकर आए आरोपी ने नाबालिका से जंगल में किया था दुष्कर्म

बुलंद गोंदिया - घर में मेहमान बनकर आये आरोपी ने घर के बेटी पर ही बुरी नजर डालकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म करने के मामले में गोंदिया जिला न्यायालय के विशेष सत्र न्यायाधीश एस.ए.ए.औटी ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी को 32 साल की कठोर सजा एवं 1 लाख 2 हजार रुपये दंड की सजा सुनाई।

आरोपी प्रवीण परसराम कुसराम (23) निवासी भजेपार तहसील सालेकसा जिला गोंदिया को विशेष कोर्ट ने ये सजा भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (अ)(ब), 377, 506 एवं पॉक्सो एक्ट (बालको के यौन शोषण से सरंक्षण अधिनियम 2012) की धारा 6 अंतर्गत सजा सुनाई।

इस मामले पर सरकार व पीड़िता की ओर से पैरवी अतिरिक्त सरकारी वकील सतीश यू.घोडे व विशेष सरकारी वकील कृष्णा डी. पारधी ने की। सरकारी वकीलों ने कोर्ट के समक्ष आरोपी के विरुद्ध कुल 9 गवाह प्रस्तुत किये।

न्यायालय ने इस मामले पर आरोपी के वकील एवं दोनों सरकारी वकीलों के बीच हुए युक्तिवाद, कोर्ट में प्रस्तुत मा. सर्वोच्च न्यायालय के विविध फैसलों के आधार, तथा सरकारी पक्ष द्वारा रखे गए सबूतों, मेडिकल जांच रिपोर्ट, रासायनिक परीक्षण रिपोर्ट एवं प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान को ग्राहय मानते हुए आरोपी को सजा सुनाई।

प्रकरण : 13 नवंबर 2018 को पीड़िता की माँ ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थीं कि 12 नवम्बर 2018 को उनके घर आरोपी प्रवीण कुसराम मेहमान के रुप में आया था। उसकी खातिरदारी हेतु उसे बाजार से मटन लाने भेजा था। तब आरोपी ने पीड़ित लड़की को बाजार साथ ले जाता हूँ कहकर बाइक में बैठाकर ले



गया। आरोपी ने बीच सुनसान झुडपी-जंगल में बाइक रोक दिया और पीड़िता को वहां उतारकर उसे जबरन जमीन में गिराकर उसके साथ नैसर्गिक व अनैसर्गिक तरीके से दुष्कर्म किया। पीड़िता को इस कृत्य को घर में किसी को न बताने दबाव डाला व जान से मारने की धमकी दी एवं पीड़िता को घर पर छोड़कर अपने गांव चला गया।

पीड़िता ने इस कृत्य की सारी हकीकत जब अपनी माँ को बताई तो फिर्यादि ने इसकी शिकायत 13 नवंबर को सालेकसा थाने में दर्ज कराई। सालेकसा पुलिस थाने के तत्कालीन पुलिस उपनिरीक्षक चन्द्रहार पाटील ने त्वरित हरकत में आकर आरोपी के विरुद्ध भादवि की धारा 376 (अ)(ब), 377, 506 एवं पॉक्सो एक्ट 2012 के तहत धारा 6 अंतर्गत मामला दर्ज कर संपूर्ण जांच पूर्ण कर कोर्ट के समक्ष चार्जशीट दाखिल की।

विशेष कोर्ट ने फैसले के दौरान आरोपी को भादंवि की धारा 376 अंतर्गत 20 साल सश्रम कारावास, 50 हजार दंड एवं दंड न भरने पर 3 साल अतिरिक्त कारावास, भादंवि की धारा 377 अंतर्गत 10 साल सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये दंड, दंड न भरने पर 3 साल अतिरिक्त कारावास, भादवि 506 के तहत 2 साल की सजा एवं 2 हजार रुपये दंड, दंड रकम न भरने पर 3 माह की अतिरिक्त सजा। ऐसा कुल 32 साल की कठोर सजा और 1 लाख 2 हजार रुपये दंड की सजा सुनाई। कोर्ट ने दंड की रकम 1 लाख 2 हजार रुपये पीड़िता को देने के आदेश दिए वही मनोधैर्य योजना अंतर्गत पीड़ित लडकी को स्वास्थ्य उपचार व पुनर्वसन हेतु जिला विधि सेवा प्राधिकरण को योग्य सहयोग करने आदेशित किया।

इस न्यायालयीन प्रकरण में पुलिस निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुड़े कर देखरेख में पैरवी पुलिस कर्मचारी ब्रिजलाल राऊत पुलिस स्टेशन देवरी ने कामकाज देखा।

इस प्रकरण पर पैरवी करने वाले सरकारी वकीलों ने कहा कि, अब तक के मामलों एवं इस प्रकरण को देखा जाए तो यौन शोषण के मामले अधिकतर नजदीक, परिचितों एवं आसपास के लोग जिन पर हम विश्वास करते है उनके द्वारा ही देखे गए है। इसी बातों पर विचार कर माननीय कोर्ट ने आरोपी को इस प्रकरण में अधिक सजा सुनाई। समाज में लोगों ने अपने बच्चों को लेकर अधिक जागरुक होने की जरुरत है।

लोकशाही दिन ६ जून को

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में सभी आमजन के लिए लोकशाही दिवस का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलेक्टर नयना गुंडे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में 6 जून 2022 को सुबह 11 बजे लोकशाही दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। लोकशाही दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर से शिकायतों की सुनवाई की जाएगी और शासन के विभिन्न विभागों के मुख्य अधिकारियों को इस संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाएंगे। जिन नागरिकों ने लोकशाही दिवस कार्यक्रम में 15 दिन पहले अपना आवेदन कलेक्ट्रेट में जमा किया है, वे लोकशाही दिवस पर उपस्थित होकर अपनी शिकायतें, समस्याएं और शिकायतें प्रस्तुत करें. रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर स्मिता बेलपत्रे ने सभी लोगों से इस पर संज्ञान लेने की अपील की है।

गोंदिया रेलवे स्टेशन पर जय झूलेलाल महिला समिति की जलसेवा



बुलंद गोंदिया - गोंदिया रेल्वे स्थानक पर बरसों से यात्रियों के लिए ग्रीष्मकाल में नि:शुल्क जलसेवा की जा रही है। इस जल सेवा में जय झूलेलाल महिला समिति गोंदिया की अध्यक्ष तानिया भागवानी व उपाध्यक्ष कविता पृथ्यानी द्वारा प्रतिवर्ष ग्रीष्मकाल के दौरान गोंदिया रेल्वे स्थानक पर पहुंचकर भरी दुपहरी में घंटों तक यात्रियों को नि:शुल्क शीतल जल दे रही है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में जब प्यासे यात्रियों को ठंडा शीतल जल मिलता है तो उनके मन से जो दुआएं निकलती है, उसकी कल्पना नहीं की जा सकती। उनकी इस सेवा पर जिए सिंध सेवा संगम युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्था के फाउंडर मनोहर सुगानी ने तानिया भागवानी व कविता पृथ्यानी द्वारा की जा रही इस जल सेवा पर उन पर गर्व व्यक्त किया। गोंदिया सिंधी समाज की इन दोनों महिलाओं पर संपूर्ण सिंधी समाज को गौरव है। उनकी निरंतर सेवा के चलते उनका अभिनंदन किया।

संपादकीय

दोहरी चुनौती

इस वक्त देश आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह के संकट का सामना कर रहा है, उसमें रुस-यूक्रेन युद्ध ने आग में घी का काम किया है।

रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट बता रही है कि देश की अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियां अभी कम नहीं हुई हैं। हालांकि अर्थव्यवस्था अब संकट के उस दौर से बाहर आ चुकी है जो कोरोना महामारी से उपजे हालात के कारण पैदा हो गया था। इसलिए जोखिम का स्तर अब पहले वाला तो नहीं ही है। पर अभी हालात पूरी तरह से पटरी पर आने में समय लगेगा। रिपोर्ट में बढ़ती महंगाई और आर्थिक वृद्धि को लेकर रिजर्व बैंक की चिंता साफ झलक रही है। इसीलिए अपनी प्राथमिकता साफ करते हुए शीर्ष बैंक ने कहा भी है कि अभी उसका सारा जोर महंगाई काबू करने और आर्थिक वृद्धि दर पर है।

दरअसल थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े जिस तरह रेकार्ड तोड़ते जा रहे हैं, उससे नए संकट खड़े हो सकते हैं। लेकिन ऐसी नौबत न आए, इसलिए चार मई को नीतिगत दरों में वृद्धि का बड़ा कदम उठाया गया। नीतिगत दरों में और इजाफा करने का संकेत भी बैंक पहले दे ही चुका है। लेकिन उसने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि महंगाई थामने के प्रयासों के साथ ही आर्थिक वृद्धि के उपाय भी साथ-साथ चलेंगे। रिजर्व बैंक के सामने यह दोहरी चुनौती है जब उसे महंगाई और आर्थिक वृद्धि दोनों में संतुलन साधना है।

इस वक्त देश आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह के संकट का सामना कर रहा है, उसमें रुस-यूक्रेन युद्ध ने आग में घी का काम किया है। गौरतलब है कि पिछले दो वित्त वर्ष तो कोरोना महामारी की भेंट चढ़ गए थे और अर्थव्यवस्था बैठ गई थी। लेकिन कुछ महीनों से इसमें सुधार के संकेत दिखने लगे थे। उससे उम्मीद बनी थी कि हालात जल्द काबू में आ जाएंगे। पर यूक्रेन संकट ने सारी उम्मीदों को धराशायी कर दिया। युद्ध की वजह से कच्चे तेल, धातु और उर्वरकों के व्यापार को तगड़ा झटका लगा।

सबसे ज्यादा असर कच्चे तेल के दामों का पड़ा और इसके दाम एक सौ तीस डालर प्रति बैरल को पार गए थे। भारत अपनी जरुरत का अस्सी फीसद से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है। जाहिर है, भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने थे। इससे महंगाई बेकाबू होती गई। महंगाई को लेकर आरबीआइ ने रिपोर्ट में कहा भी है कि 2021-22 की चौथी तिमाही में खुदरा महंगाई छह फीसद से ऊपर निकल गई थी और इस वजह से मौद्रिक नीति तय करना ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया था। जाहिर है,ऐसे में केंद्रीय बैंक के सामने नीतिगत दरें बढ़ाने के अलावा कोई चारा बचा भी नहीं था।

महंगाई दर को काबू में रखने और आर्थिक वृद्धि दर के लिए मौद्रिक नीति तय करना रिजर्व बैंक का दायित्व है। उसे मौद्रिक नीति और सरकार की आर्थिक नीतियों में तालमेल भी बना कर चलना होता है। महामारी के बाद केंद्रीय बैंक का सारा जोर आर्थिक वृद्धि पर था। इसीलिए उसने लंबे समय तक नीतिगत दरें नहीं बढ़ाई थीं। अगर महंगाई दर रिजर्व बैंक के निर्धारित दायरे से बाहर नहीं जाती तो शायद बैंक नीतिगत दरों में वृद्धि को कुछ समय के लिए और टालने पर विचार करता। अभी कई मोर्चे हैं जिन पर काम होना है।

बाजार में मांग और खपत का चक्र कैसे बने, यह बड़ी चुनौती है। बिना आर्थिक वृद्धि के रोजगार के अवसर भी नहीं बनेंगे। रोजगार नहीं होगा तो लोगों के हाथ में पैसा कहां से आएगा और कैसे लोग महंगाई का सामना करेंगे₹ रुपए में गिरावट और व्यापार असंतुलन भी कम बड़ी चिंता की बात नहीं हैं। स्पष्ट है कि केंद्रीय बैंक को अब फूंक-फूंक कर कदम रखने हैं।

लाभार्थी संगोष्ठी कार्यक्रम : प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से की बातचीत

पंचायत समिति हॉल में आयोजन जिले में लाभार्थियों की ऑनलाइन भागीदारी । सरपंचो का अभिनंदन

बुलंद गोंदिया - भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव के तहत देश भर में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न पहलों को लागू किया जा रहा है। इसी आधार पर सरकार ने आज लाभार्थियों के साथ एक सेमिनार कार्यक्रम का आयोजन किया था। सुबह मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और दोपहर 12 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाभार्थियों से ऑनलाइन बातचीत की।



प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के शिमला में एक टेलीविजन राष्ट्रीय कार्यक्रम के माध्यम से राज्य और जिला स्तर पर स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों सहित 13 योजनाओं के चयनित लाभार्थियों के साथ बातचीत की।

जिला स्तर पर जिला कलेक्टर नयना गुंडे, जिला परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल, जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, जिला कृषि अधीक्षक हिंदूराव चव्हाण, गोंदिया पंचायत समिति के अध्यक्ष मुनेश रहांगडाले, उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी नरेश भंडारकर एवं कृषि समन्वयक सहित जिले की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में लाभार्थियों के साथ-साथ विभिन्न जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया था।

प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, स्वच्छ भारत अभियान, जलजीवन मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, एक राष्ट्र एक राशन कार्ड, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, आयुष्मान भारत योजना, आरोग्य योजना प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के लाभार्थियों से बातचीत की।

इस मौके पर पीएम किसान सम्मान निधि की 11वीं किस्त भी लाभार्थियों को सौंपी गई। देश के 10 करोड़ किसानों के खातों में 21 करोड़ रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विभिन्न सोशल मीडिया चैनलों जैसे जिला परिषद, पंचायत समिति, ग्राम पंचायतों पर ट्विटर, फेसबुक, यूट्यूब आदि पर किया गया।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मौजूदगी में सुबह 9 बजे राज्य सरकार का कार्यक्रम शुरु हुआ। योजना की सफलता को लेकर सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ ही जनप्रतिनिधियों व मुख्यमंत्री के बीच संवाद हुआ। इसमें विभिन्न जिलों के जनप्रतिनिधि एवं हितग्राहियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लाभार्थियों से की बातचीत

आम आदमी तक पहुंचने के लिए योजनाएं गैर-पक्षपाती और गैर-राजनीतिक होनी चाहिए। चाहे वह केंद्र या राज्यों में हो, और मैं खुश और संतुष्ट हूं कि इन योजनाओं को योजनाबद्ध तरीके से लाभार्थियों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया गया है।

सरपंचो को किया सम्मानित

विभिन्न योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने वाले गोंदिया जिले के सरपंचों को जिला कलेक्टर नयना गुंडे और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल द्वारा सम्मानित किया गया। अजय अंबाडे, कमलेश्वरी भिलेवे, एस. एम. भंडारकर, तेजेंद्र हरिणखेड़े, बद्रीप्रसाद दशरिया, जीवनलाल लांजे, राजेंद्र चमत, नितिन तेंभाडे, सोनू घरडे और शंकरलाल तेंभाडे आदि सम्मानित किए गये। अर्जुनी मोरगांव के स्वतंत्रता सेनानी की पत्नी कौशल्याबाई कपगटे को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।



विश्व पर्यावरण दिवस



विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु वर्ष 1972 में की थी। इसे 5 जून से 16 जून तक संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में चर्चा के बाद शुरु किया गया था। 5 जून 1973 को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

इतिहास

वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव पर्यावरण विषय पर संयुक्त राष्ट्र महासभा का आयोजन किया गया था। इसी चर्चा के दौरान विश्व पर्यावरण दिवस का सुझाव भी दिया गया और इसके दो साल बाद, 5 जून 1974 से इसे मनाना भी शुरु कर दिया गया। 1987 में इसके केन्द्र को बदलते रहने का सुझाव सामने आया और उसके बाद से ही इसके आयोजन के लिए अलग अलग देशों को चुना जाता है। इसमें हर साल 143 से अधिक देश भाग लेते हैं और इसमें कई सरकारी, सामाजिक और व्यावसायिक लोग पर्यावरण की सुरक्षा, समस्या आदि विषय पर बात करते हैं।

महत्व

पर्यावरण को सुधारने हेतु यह दिवस महत्वपूर्ण है जिसमें पूरा विश्व रास्ते में खड़ी चुनौतियों को हल करने का रास्ता निकालता हैं। लोगों में पर्यावरण जागरुकता को जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित विश्व पर्यावरण दिवस दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक आयोजन है। इसका मुख्य उद्देश्य हमारी प्रकृति की रक्षा के लिए जागरुकता बढ़ाना और दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को देखना है।

प्रति वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है जिसके अनुसार वह मनाया जाता है।

आयोजन

वर्ष	विषय	प्रस्तोता देश
1974	केवल एक दुनिया	अमेरिका
1975	मानव निपटान	बांग्लादेश
1976	पानीरु जीवन हेतु महत्वपूर्ण संसाधन	कनाडा
1977	पर्यावरण संबंधी चिंताय भूमि हानि और मृदा क्षरण	बांग्लादेश
1978	बिना विनाश के विकास	बांग्लादेश
1979	बच्चों के लिए एक ही भविष्य - बिना विनाश के विकास	बांग्लादेश
1980	नई सदी की नई चुनौती? बिना विनाश के विकास	बांग्लादेश
1981	भूजलय मानव खाद्य श्रृंखला में जहरीले रसायन	बांग्लादेश
1982	पर्यावरण संबंधी चिंता का नवीकरण	बांग्लादेश
1983	म्लीय वर्षा और ऊर्जा	बांग्लादेश
1984	बंजरता	बांग्लादेश
1985	युवा : जनसंख्या और पर्यावरण	पाकिस्तान
1986	शांति के लिए एक पेड़	कनाडा
1987	पर्यावरण और शरणरु एक छत से ज्यादा	केन्या
1988	जब लोग पर्यावरण को पहले रखेंगे, विकास टिकेगा	थाईलैंड
1989	ग्लोबल वार्मिंग य वैश्विक चेतावनी	बेल्जियम
1990	बच्चे और पर्यावरण	मेक्सिको
1991	जलवायु परिवर्तन । वैश्विक भागीदारी की आवश्यकता	स्वीडन
1992	केवल एक पृथ्वी, देखभाल और साझा करें	ब्राजील
1993	गरीबी और पर्यावरण - दुष्चक्र को तोड़ना	चाइना
1994	एक पृथ्वी एक परिवार	यूनाइटेड किंगडम
1995	हम लोगरु वैश्विक पर्यावरण के लिए संयुक्त	दक्षिण अफ्रीका
1996	हमारी धरती, हमारा आवास, हमारा घर	तुर्की
1997	पृथ्वी पर जीवन के लिए	कोरिया गणराज्य
1998	पृथ्वी पर जीवन के लिए - हमारे समुद्र बचाओ	रुसी संघ
1999	हमारी पृथ्वी - हमारा भविष्य - बस इसे बचाओ!	जापान
2000	पर्यावरण मिलेनियम - कार्य करने का समय	ऑस्ट्रेलिया
2001	वर्ल्ड वाइड वेब ऑफ लाइफ से जुड़ें	इटली और क्यूबा
2002	पृथ्वी को एक मौका	चाइना
2003	पानी - दो अरब लोग इसके लिए मर रहे हैं!	लेबनान
2004	वांछित समुद्र और महासागर - मृत या जीवित	स्पेन
2005	हरे शहर - ग्रह के लिए योजना	अमेरिका
2006	मरुस्थल और मरुस्थलीकरण - शुष्क भूमि न छोड़ें	अल्जीरिया
2007	पिघलती बर्फ - एक गर्म विषय	इंग्लैंड
2008	किक द हैबिट - एक निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था की ओर	न्यूजीलैंड
2009	जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए एकजुट हों	मेक्सिको
2010	कई प्रजातियां, एक ग्रह, एक भविष्य	बांग्लादेश
2011	वन : प्रकृति आपकी सेवा में	भारत
2012	हरित अर्थव्यवस्थारु क्या इसमें आप शामिल हैं?	ब्राजील
2013	सोचो, खाओ, बचाओ : अपना फूडप्रिंट कम करें	मंगोलिया
2014	अपनी आवाज उठाएं, समुद्र का स्तर नहीं	बारबाडोस
2015	सात अरब सपने, एक ग्रह, ध्यान से सेवन करें!	इटली
2016	अवैध वन्यजीव व्यापार के लिए जीरो टॉलरेंस	अंगोला
2017	लोगों को प्रकृति से जोड़ना	कनाडा
2018	बीट प्लास्टिक प्रदूषण	भारत
2019	बीट वायु प्रदूषण	चीन
2020	प्रकृति के लिए समय	कोलंबिया
2021	पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली	पाकिस्तान
2022	केवल एक पृथ्वी	स्वीडन



विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर भोपाल में स्थानी वृक्षों के बीज को मिट्टी की गेंद बना कर पुनर्रोपित करने की कार्यशाला

डायरिया

डायरिया को दस्त के रुप में भी जाना जाता है। यह एक बीमारी है जो आपको सामान्य की तुलना में अधिक शिथिल या अधिक मल पास करती है। यह एक परिणाम हो सकता है, गैस्ट्रोएंटेराइटिस, जिसे पेट का फ्लू भी कहा जाता है। यह माइक्रोबियल संक्रमण के कारण पेट या आंत की सूजन के अलावा कुछ भी नहीं है।

सामान्य परिस्थितियों में, दस्त केवल विशेष चिकित्सा उपचार की आवश्यकता के बिना 2-4 दिनों तक रहता है। हालांकि, गंभीर दस्त आपके जीवन के लिए खतरा हैं। इसके पीछे प्रमुख कारण आपके शरीर द्वारा निर्जलीकरण हो सकता है, क्योंकि इस गति से गुजरने के कारण शरीर लगातार तरल पदार्थ खो देता है। कुपोषित लोगों, शिशुओं, छोटे बच्चों, कुपोषित और कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों में इस तरह के खतरनाक संक्रमण का शिकार होने का खतरा अधिक होता है। 5 साल से कम उम्र के बच्चों में डायरिया मौत का दूसरा प्रमुख कारण है। इसे संख्या में दिखाने के लिए, एक शोध के आंकड़े बताते हैं कि इस विशेष आयु वर्ग के 7,00,000 से अधिक बच्चे डायरिया से मरते हैं, जो इस आयु वर्ग में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है।

डायरिया के लक्षण

डायरिया से जूझ रहे व्यक्ति को इनमे से एक या इससे अधिक अनुभव हो सकते हैं -

पानी का मल, पेट में ऐंठन या ऐंठन होना, मतली और उल्टी, बुखार, निर्जलीकरण, भूख में कमी

दस्त के एक-दो दिनों के बाद लोग सुस्त हो जाते हैं लेकिन प्रभावित व्यक्ति को इस दौरान हर समय हाइड्रेटेड रहना पड़ता है। बहुत सारे तरल पदार्थ पीने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन या ओआरएस को पानी में मिलाकर खोए हुए मिनरल्स और लवणों को वापस लाने में अद्भुत काम करता है। एक सामान्य आहार को कम मसाले, नमक और चीनी से रहित रखें। दस्त वाले बच्चों के लिए, आपको उन्हें सामान्य रुप से दूध पिलाना / स्तनपान कराना जारी रखना चाहिए। वयस्कों के लिए, दस्त का एक मामला जो एक सप्ताह से अधिक समय तक रहता है, चिंता का एक गंभीर कारण है और तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।

डायरिया का कारण क्या है ?

डायरिया इन्फेक्शन दूषित पानी और भोजन के अंतर्ग्रहण से होता है, गंदे हाथों से संदूषण या मल पदार्थ के संपर्क में आना। कुछ सामान्य रोगाणु जो गैस्ट्रो-आंत्रशोथ का कारण बनते हैं और बाद में दस्त होते हैं?

बैक्टीरिया (साल्मोनेला या एस्चेरिचिया)

वायरस (नोरोवायरस या रोटोवायरस)

पैरासाइट (गिअर्डिया इन्टेस्टनालिस)

डायरिया एक ऐसा रोग है जो कुछ सामान्य से साधारण उपाय करने से ठीक हो सकता है -

सुरक्षित पेयजल, मानव अपशिष्ट (waste) के सुरक्षित और स्वच्छ निपटान के लिए प्रावधान बनाए रखने से दस्त के अचानक फैलने के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

दस्त को रोकने में एक बड़ा उपाय जो हो सकता है वह है उचित व्यक्तिगत स्वच्छता का रखरखाव। टॉयलेट जाने के बाद और खाना बनाने / खाने से पहले हैंडवाश से हमारे हाथ धोने से डायरिया को आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।

डायरिया से बचाव

गर्मी के मौसम में साफ-सफाई का ध्यान न रखते हुए अक्सर लोग डायरिया के शिकार हो जाते हैं जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है वह रोग के शिकार जल्दी होते हैं। डायरिया की जानकारी होने से आप इसका इलाज अच्छे से कर सकते है।

डायरिया की समस्या रोटा वायरस के शरीर में प्रवेश करने से होती है, डायरिया की पहचान दस्त, उल्टी आदि से होती हैं। इसलिए सबसे जरुरी है कि गर्मियों में खाने-पीने से पहले साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए साथ ही कुछ घरेलू टिप्स को फॉलो भी किया जाए।

डायरिया की रोकथाम

1. तरल पदार्थो का करें सेवन : दिन में 2 या 3 बार भरपूर मात्रा में भोजन करने के बजाय 5 से 6 बार हलका खानपान करें। इसी तरह एक ही बार में पूरा गिलास पानी या जूस पीने के बजाय थोड़ी मात्रा में तथा कुछ मिनटों के अंतर में इसे पीयें।

2. कुछ ख+ास तरल पदार्थो का सेवन बढ+ा दें : पानी, सूप तथा स्पोर्ट ड्रिंक इसके लिए अच्छा विकल्प है। डायरिया से बचाव के लिए तरल पदार्थ की मात्रा का सेवन प्रतिदिन 2 से 3 लीटर तक बढ़ा दें। ओ.आर.एस का सेवन भी ज्यादा से ज्यादा करें।

3. खाए जल्दी पचने वाले आहार : जल्दी डाइजेस्ट होने वाले आहार खाएं। जैसे की चावल और मूंग दाल की खिचड़ी, सेब का रस। इसलिए भूख लगने पर इनका ही थोडी-थोडी मात्रा में सेवन करें।

4. पुदीने की चाय : पुदीने से बनी चाय का सेवन डायरिया (दस्त) में काफी लाभदायक होता है। ताजे पुदीने के सेवन से भी पेट की गडबडी ठीक होती है, पेट तथा आँतों के मरोड में आराम मिलता है। डायरिया से बचने के घरेलू उपाय में पुदीने की चाय शामिल है। ताजा पुदीना की कुछ पत्तियाँ पानी में उबालकर काढा बना कर पीने से भी डायरिया में काफी आराम मिलता है।

5. आराम करें : डायरिया में किसी भी प्रकार की तकलीफ होने पर शरीर को पूरा आराम देना जरुरी है जब तक कि यह ठीक न हो जाए । इस समय किया गया आराम आपके शरीर को डायरिया के किसी भी वायरस से लडने में शरीर को मजबूती देता है इसलिए अधिक से अधिक आराम करें।

इन चीजों से करें परहेज

ऐसे पदार्थ जिनमें उच्च मात्रा में शक्कर, कैफीन, डेरी तथा कार्बोनेटेड हो उनके सेवन से बिल्कुल परहेज करें। कॉफी, सोडा, फलों के जूस, हॉट चॉकलेट और चाय पीने से भी बचें।

पूर्व पार्षद निर्मला मिश्रा द्वारा निजी खर्च से चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान



मानसून में प्रभाग के नागरिकों को न हो परेशानी

बुलंद गोंदिया - मानसून की बारिश के दौरान नालियों में गंदगी जमा रहने से पानी जमा हो जाता है। जिससे नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नागरिकों की इन समस्याओं को देखते हुए प्रभाग क्रमांक 17 की पूर्व पार्षद व भाजपा महिला मोर्चा की शहर अध्यक्ष निर्मला दिलीप मिश्रा द्वारा मानसून पूर्व स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें बारिश के पानी नाली जाम नहीं होंगा तथा इसके लिए उन्होंने स्वयं के खर्चे से निजी स्वच्छता कर्मचारियों को कार्य पर लगाया है।

उल्लेखनीय है कि मानसून शुरु होने में कुछ ही दिन शेष बचे हुए हैं। नालियों में जमा गंदगी व कचरे के चलते बारिश का पानी बह नहीं पाता, जिससे जाम होकर गंदा पानी मार्गों पर आ जाता है। इस कारण प्रभाग के निवासियों व वाहन चालकों को काफी परेशानियां उठानी पड़ती थी। बारिश में नागरिकों को इन परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए पूर्व पार्षद निर्मला मिश्रा द्वारा अपने प्रभाग में सफाई अभियान तेज किया गया है। तथा क्षेत्र की हर नाली से मलमा व कचरा निकालकर नालियों को साफ करने के साथ ही नालियों से निकाला गया कचरा हटाया जा रहा है। जिससे वह कचरा दुबारा नालियों में जमा न हो।

नपा प्रशासन का नहीं मिल रहा सहयोग

मानसून पूर्व सफाई को लेकर नगर परिषद प्रशासन को अनेकों बार सूचना दी गई। लेकिन नगर परिषद के अधिकारियों द्वारा अनदेखी की जा रही है। जिसके चलते निजी ट्रैक्टर व निजी कर्मचारियों को सफाई सामग्री खरीद कर दी गई है। जिनकी सहायता से वार्ड में प्रतिदिन स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

- निर्मला मिश्रा, पूर्व पार्षद प्र.क्र.17

जाति दावा सत्यापन के संबंध में आवश्यक निर्देश

बुलंद गोंदिया - 2021-22 के शैक्षणिक सत्र में 12वीं विज्ञान शाखा में पिछड़े वर्ग के छात्र जिन्होंने अपने जाति दावा सत्यापन मामले जिला जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति गोंदिया को प्रस्तुत किए हैं और ऐसे छात्रों ने अभी तक अपने जाति दावा सत्यापन मामले में सुधार नहीं किया है वे छात्र जिन्होंने ई-मेल द्वारा वैधता प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किया गया है, उनके जाति दावा सत्यापन मामले में त्रुटि के संबंध में ई-मेल के साथ-साथ पत्र द्वारा अधिसूचित किया गया है।

10 जून 2022 तक जाति दावा सत्यापन मामले में त्रुटि होने पर आवेदकों को अपनी जाति के अनुसार अनुसूचित जाति को अपनी जाति 21 अगस्त 1961 को विजाभज के लिए और 13 अक्टूबर 1967 से पहले आईएमएवी और विमपरा के लिए जमा करनी होगी

आवेदक का अपना, पिता और दादा-दादी के साथ-साथ दादा-दादी, कक्षा 1 से 4 तक के चचेरे भाई प्राथमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र / प्रवेश अस्वीकृति प्रतिलेख आवश्यक है। इसके अलावा राजस्व प्रमाण में पिता के रक्त संबंधियों के नाम, दादा के नाम, पनाजोबा, इनाम प्रमाण पत्र, इनाम प्रमाण पत्र, बंधक गृह कर लेवी नोडी (ग्राम पंचायत / नगर परिषद में रिकॉर्ड) एक ही सर्वेक्षण के नंबर राइट्स रिकॉर्ड पीजी, पी-9। पी-11 खसरा 5 वर्ष पुराना) या पी-1, इसका पुन: उत्पन्न करने वाला पत्रक और पुन: ब्रांडिंग पत्रक सर्वेक्षण संख्या 7/92 उल्लिखित प्रस्तुत किया जा सकता है। जिला जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति गोंदिया के उपायुक्त एवं सदस्य राजेश पाण्डेय ने सुझाव दिया है कि जन्म एवं मृत्यु का कोतवाल रजिस्टर एक ही नाम से नहीं होना चाहिए तथा व्यक्ति मूल दस्तावेजों के साथ समिति के कार्यालय में उपस्थित होना चाहिए। पूर्व-आसन्न अधिवास प्रमाण और संबंधित प्रमाण।

उच्च स्तरीय समिति की बैठक में ४५४ जलापूर्ति योजनाओं को मिली मंजूरी

जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल गोंदिया की 33 योजनाएं

बुलंद गोंदिया - राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक घर को नल के माध्यम से पर्याप्त गुणवत्ता वाला पानी उपलब्ध कराना है। जलापूर्ति योजनाओं को प्राथमिकता देकर इन योजनाओं को तेजी से पूरा करने की योजना है। इसलिए आज उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक में सभी के लिए पेयजल की समस्या के समाधान की दृष्टि से कुल 454 जलापूर्ति योजनाओं को मंजूरी दी गयी। इसमें जिला परिषद की 451 योजनाएँ और महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण की 03 योजनाएँ शामिल हैं। इसमें गोंदिया जिले की 33 योजनाएं शामिल हैं।

वर्धा-105 (08 सौर ऊर्जा पर आधारित लोगों सहित), यवतमाल-23, गोंदिया-33, चंद्रपुर-86, गढ़चिरौली-32, वाशिम-48, अकोला-01, पालघर-01, जलगांव-07, अहमदनगर-21, नासिक-06, लातूर-02, नांदेड़-09, परभणी-04, बीड-46, नंदुरबार-20, उस्मानाबाद-10 जैसी 454 जलापूर्ति योजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें से 451 जिला परिषद से और 03 महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण से हैं, जल आपूर्ति और स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा।

ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की संशोधित प्रति व्यक्ति लागत के 100 प्रतिशत से अधिक प्रति व्यक्ति लागत वाली योजनाओं को स्वीकृत करने के लिए जलापूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया गया है। मंत्रालय में आज कमेटी की बैठक हुई। बैठक में 454 जलापूर्ति योजनाओं को मंजूरी देने का निर्णय लिया गया।

१९३ बोरवेल पुनरुद्धार कार्यों को प्रशासनिक मंजूरी ४६ लाख रुपये का बजट स्वीकृत

बुलंद गोंदिया - जल संकट कार्य योजना 2021-22 के तहत गोंदिया जिले में सड़े अर्जुनी, गोरेगांव, देवरी और गोंदिया तालुका में 193 गांवों और ग्राम पंचायतों में विंधान कुओं को प्लशिंग, सफाई और टूटे हुए जई की मरम्मत द्वारा पुनर्जीवित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। जिला कलेक्टर द्वारा 30 मई 2022 के एक आदेश के माध्यम से 193 करोड़ रुपये के कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति दी है।

इस काम से बोरवेल को पुनर्जीवित करने और जल स्तर को ऊपर उठाने में मदद मिलेगी। जिसमे सडक अर्जुनी 77 कार्य की लागत 18 लाख 91 हजार 669 रुपये, गोरेगांव 32 कार्यों की लागत 9 लाख 18 हजार 536 रुपये, देवरी 39 कार्यों की लागत 7 लाख 39 हजार 211 रुपये और गोंदिया 45 कार्यों की लागत 10 लाख 60 हजार 116 रुपये है। यह मंजूरी कुछ शर्तों और शर्तों के साथ दी गई है।

उपायों को लागू करते समय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी सभी शर्तों, मानदंडों और आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। भूजल सर्वेक्षण एवं विकास एजेंसी गोंदिया से पानी की उपलब्धता का प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाना चाहिए। भले ही ऐसे कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई हो, यदि आवश्यक हो तो ऐसे कार्य किए जाने चाहिए। स्वीकृत योजना के पूर्ण एवं क्रियान्वित होते ही रिपोर्ट भेजी जानी चाहिए। साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट भी भेजें।

अनुमंडल पदाधिकारी, कार्यपालन यंत्री, जलापूर्ति विभाग, जिला परिषद एवं तहसीलदार इन कार्यों का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण करें। कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, जिला परिषद का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह ऊपर दिये गये उपायों से संबंधित समस्त जानकारी के साथ-साथ शासन द्वारा मांगी गयी सूचना भी उपलब्ध कराये।

बच्चो के जीवन से खिलवाड ना करे जि.प.सभापती रुपेश (सोनू) कुथे



बुलंद गोंदिया - नागरा जिला परिषद क्षेत्र के अंतर्गत मोहरानटोली के आंगनवाड़ी में छोटे बच्चो को निकृष्ट दर्जे के खाद्य के आपूर्ती में कमी की जाने की जानकारी जिला परिषद सभापती रुपेश (सोनू) कुथे को मिलते ही उन्होंने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया और बच्चो के जीवन से खिलवाड़ न करने की चेतावनी दी। बच्चे देश का भविष्य है उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए खाद्य की आपूर्ती की जाये, ऐसा निर्देश आंगनबाड़ी संचालको को दीया। साथ ही इस प्रकार की शिकायत का मौका नही आना चाहिए, बच्चो का ध्यान अच्छे से रखना चाहिए, ऐसे सुझाव भी सभापती रुपेश कुथे ने दिए। इस अवसर पर धन्नालाल नागपुरे (सरपंच), नरेश नागरिकर (उपसरपंच), प्रकाश बुंढेकर (सदस्य), शुभम नागपुरे, नितेश मचाडे, रामजी कच्छवे, योगेश सांडिलें, शंकर लिल्हारे एवं पालकगण मौजूद थे।

कहानी, हिन्दी में गद्य लेखन की एक विधा है। उन्नीसवीं सदी में गद्य में एक नई विधा का विकास हुआ जिसे कहानी के नाम से जाना गया। बंगला में इसे गल्प कहा जाता है। कहानी ने अंग्रेजी से हिंदी तक की यात्रा बंगला के माध्यम से की। मनुष्य के जन्म के साथ ही साथ कहानी का भी जन्म हुआ और कहानी कहना तथा सुनना मानव का आदिम स्वभाव बन गया। इसी कारण से प्रत्येक सभ्य तथा असभ्य समाज में कहानियाँ पाई जाती हैं। हमारे देश में कहानियों की बड़ी लंबी और सम्पन्न परंपरा रही है।

प्राचीनकाल में सदियों तक प्रचलित वीरों तथा राजाओं के शौर्य, प्रेम, न्याय, ज्ञान, वैराग्य, साहस, समुद्री यात्रा, अगम्य पर्वतीय प्रदेशों में प्राणियों का अस्तित्व आदि की कथाएँ, जिनकी कथानक घटना प्रधान हुआ करती थीं, भी कहानी के ही रुप हैं। गुणढ्य की वृहत्कथा को, जिसमें उदयन, वासवदत्ता, समुद्री व्यापारियों, राजकुमार तथा राजकुमारियों के पराक्रम की घटना प्रधान कथाओं का बाहुल्य है, प्राचीनतम रचना कहा जा सकता है। वृहत्कथा का प्रभाव दण्डी के दशकुमार चरित, बाणभट्ट की कादम्बरी, सुबन्धु की वासवदत्ता, धनपाल की तिलकमंजरी, सोमदेव के यशस्तिलक तथा मालतीमाधव, अभिज्ञान शाकुन्तलं, मालविकाग्निमित्र, विक्रमोर्वशीय, रत्नावली, मृच्छकटिकं जैसे अन्य काव्यग्रंथों पर साफ-साफ परिलक्षित होता है। इसके पश्चात् छोटे आकार वाली पंचतंत्र, हितोपदेश, बेताल पच्चीसी, सिंहासन बत्तीसी, शुक सप्तति, कथा सरित्सागर, भोजप्रबन्ध जैसी साहित्यिक एवं कलात्मक कहानियों का युग आया। इन कहानियों से श्रोताओं को मनोरंजन के साथ ही साथ नीति का उपदेश भी प्राप्त होता है। प्राय: कहानियों में असत्य पर सत्य की, अन्याय पर न्याय की और अधर्म पर धर्म की विजय दिखाई गई हैं।

परिभाषा

अमेरिका के कवि-आलोचक-कथाकार एडगर एलिन पो के अनुसार कहानी की परिभाषा इस प्रकार है - कहानी वह छोटी आख्यानात्मक रचना है, जिसे एक बैठक में पढ़ा जा सके, जो पाठक पर एक समन्वित प्रभाव उत्पन्न करने के लिये लिखी गई हो, जिसमें उस प्रभाव को उत्पन्न करने में सहायक तत्वों के अतिरिक्त और कुछ न हो और जो अपने आप में पूर्ण हो।

हिंदी कहानी को सर्वश्रेष्ठ रुप देने वाले प्रेमचन्द ने कहानी की परिभाषा इस प्रकार से की है - कहानी वह रुपद की तान है, जिसमें गायक महफिल शुरु होते ही अपनी संपूर्ण प्रतिभा दिखा देता है, एक क्षण में चित्त को इतने माधुर्य से परिपूर्ण कर देता है, जितना रात भर गाना सुनने से भी नहीं हो सकता। हिन्दी के लेखकों में प्रेमचंद पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने अपने तीन लेखों में कहानी के सम्बंध में अपने विचार व्यक्त किए हैं कहानी (गल्प) एक रचना है जिसमें जीवन के किसी एक अंग यसी एक मनोभाव को प्रदर्शित करना ही लेखक का उद्देश्य रहता है। उसके चरित्र, उसकी शैली, उसका कथा-विन्यास, सब उसी एक भाव को पुष्ट करते हैं। उपन्यास की भाँति उसमें मानव-जीवन का संपूर्ण तथा बृहत रुप दिखाने का प्रयास नहीं किया जाता। वह ऐसा रमणीय उद्यान नहीं जिसमें भाँति-भाँति के फूल, बेल-बूटे सजे हुए हैं, बल्कि एक गमला है जिसमें एक ही पौधे का माधुर्य अपने समुन्नत रुप में दृष्टिगोचर होता है। कहानी की और भी परिभाषाएँ उद्धृत की जा सकती हैं। पर किसी भी साहित्यिक विधा को वैज्ञानिक परिभाषा में नहीं बाँधा जा सकता, क्योंकि साहित्य में विज्ञान की सुनिश्चितता नहीं होती। इसलिए उसकी जो भी परिभाषा दी जाएगी वह अधूरी होगी।

कहानी के तत्व

रोचकता, प्रभाव तथा वक्ता एवं श्रोता या कहानीकार एवं पाठक के बीच यथोचित सम्बद्धता बनाये रखने के लिये सभी प्रकार की कहानियों में निम्नलिखित तत्व महत्वपूर्ण माने गए हैं कथावस्तु, पात्र अथवा चरित्र-चित्रण, कथोपकथन अथवा संवाद, देशकाल अथवा वातावरण, भाषा-शैली तथा उद्देश्य। कहानी के ढाँचे को कथानक अथवा कथावस्तु कहा जाता है। प्रत्येक कहानी के लिये कथावस्तु का होना अनिवार्य है क्योंकि इसके अभाव में कहानी की रचना की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कथानक के चार अंग माने जाते हैं - आरम्भ, आरोह, चरम स्थिति एवं अवरोह। कहानी का संचालन उसके पात्रों के द्वारा ही होता है तथा पात्रों के गुण-दोष को उनका चरित्र चित्रण कहा जाता है। चरित्र चित्रण से विभिन्न चरित्रों में स्वाभाविकता उत्पन्न की जाती है। संवाद कहानी का प्रमुख अंग होते हैं। इनके द्वारा पात्रों के मानसिक अन्तर्द्वन्द एवं अन्य मनोभावों को प्रकट किया जाता है। कहानी में वास्तविकता का पुट देने के लिये देशकाल अथवा वातावरण का प्रयोग किया जाता है। प्रस्तुतीकरण के ढंग में कलात्मकता लाने के लिए उसको अलग-अलग भाषा व शैली से सजाया जाता है। कहानी में केवल मनोरंजन ही नहीं होता, अपितु उसका एक निश्चित उद्देश्य भी होता है।

हिन्दी कहानी का इतिहास

1910 से 1960 के बीच हिन्दी कहानी का विकास जितनी गति के साथ हुआ उतनी गति किसी अन्य साहित्यिक विधा के विकास में नहीं देखी जाती। सन 1900 से 1915 तक हिन्दी कहानी के विकास का पहला दौर था। मन की चंचलता (माधवप्रसाद मिश्र) 1907, गुलबहार (किशोरीलाल गोस्वामी) 1902, पंडित और पंडितानी (गिरिजादत्त वाजपेयी) 1903, ग्यारह वर्ष का समय (रामचंद्र शुक्ल) 1903, दुलाईवाली (बंगमहिला) 1903, विद्या बहार (विद्यानाथ शर्मा) 1903, राखीबंद भाई (वृन्दावनलाल वर्मा) 1909, ग्राम (जयशंकर प्रसाद) 1909, सुखमय जीवन (चंद्रधर शर्मा गुलेरी) 1911, रसिया बालम (जयशंकर प्रसाद) 1911, परदेसी (विश्वम्भरनाथ जिज्जा) 1912, कानों में कंगना (राजाराधिकारमण प्रसाद सिंह) 1912, रक्षाबंधन (विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक) 1913, उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी) 1915, आदि के प्रकाशन से सिद्ध होता है कि इस प्रारंभिक काल में हिन्दी कहानियों के विकास के सभी चित्र मिल जाते हैं। प्रेमचंद के आगमन से हिन्दी का कथा-साहित्य आदर्शोन्मुख यथार्थवाद की ओर मुड़ा। और प्रसाद के आगमन से रोमांटिक यथार्थवाद की ओर। चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी उसने कहा था में यह अपनी पूरी रंगीनी में मिलता है। 1922 में उग्र का हिन्दी-कथा-साहित्य में प्रवेश हुआ। उग्र न तो प्रसाद की तरह रोमैंटिक थे और न ही प्रेमचंद की भाँति आदर्शोन्मुख यथार्थवादी। वे केवल यथार्थवादी थे प्रकृति से ही उन्होंने समाज के नंगे यथार्थ को सशक्त भाषा-शैली में उजागर किया। 1927-28 में जैनेन्द्र ने कहानी लिखना आरंभ किया। उनके आगमन के साथ ही हिन्दी-कहानी का नया उत्थान शुरु हुआ। 1936 प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना हो चुकी थी। इस समय के लेखकों की रचनाओं में प्रगतिशीलता के तत्त्व का जो समावेश हुआ उसे युगधर्म समझना चाहिए। यशपाल राष्ट्रीय संग्राम के एक सक्रिय क्रांतिकारी कार्यकर्ता थे, अत: वह प्रभाव उनकी कहानियों में भी आया। अज्ञेय प्रयोगधर्मा कलाकार थे, उनके आगमन के साथ कहानी नई दिशा की ओर मुड़ी। जिस आधुनिकता बोध की आज बहुत चर्चा की जाती है उसके प्रथम पुरस्कर्ता अज्ञेय ही ठहरते हैं। अश्क प्रेमचंद परंपरा के कहानीकार हैं। अश्क के अतिरिक्त वृंदावनलाल वर्मा, भगवतीचरण वर्मा, इलाचन्द्र जोशी, अमृतलाल नागर आदि उपन्यासकारों ने भी कहानियों के क्षेत्र में काम किया है। किन्तु इनका वास्तविक क्षेत्र उपन्यास है कहानी नहीं। इसके बाद सन 1950 के आसपास से हिन्दी कहानियाँ नए दौर से गुजरने लगीं। आधुनिकता बोध की कहानियाँ या नई कहानी नाम दिया गया।

समालोचना

कहानी एक अत्यंत लोकप्रिय विधा के रुप में स्वीकृत हो चुकी है। प्राय: सभी पत्र-पत्रिकाओं में, पाठकीय माँग के फलस्वरुप, कहानियों का छापा जाना अनिवार्य हो गया है। इस देश की प्रत्येक भाषा में केवल कहानियों की पत्रिकाएँ भी संख्या में कम नहीं हैं। रहस्य, रोमांस और साहस की कहानियों के अतिरिक्त उनमें जीवन को गंभीर रुप में लेने वाली कहानियाँ भी छपती हैं। साहित्यिक दृष्टि से इन्हीं का महत्व है। ये कहानियाँ चारित्रिक विशेषताओं, मूड, वातावरण, जटिल स्थितियों आदि के साथ सामाजिक-आर्थिक जीवन से भी संबद्ध होती हैं। सामानयत: कहानी मीमांसा के लिए छ: तत्वों का उल्लेख किया जाता है -

1. कथावस्तु, 2. चरित्र-चित्रण, 3. कथोपकथन, 4.देशकाल, 5. भाषाशैली, 6. उद्देश्य

किंतु इन प्रतिमानो का प्रयोग नाटक और उपन्यासों के लिए भी होता है। ऐसी स्थिति में भ्रांति की सृष्टि हो सकती है। लेकिन इसका परिहार यह कह कर लिया जाता है कि कहानी की कथावस्तु इकहरी होती है। चरित्र के लिए किसी पहलू का चित्रण होता है। कथोपकथन अपेक्षाकृत अधिक सूक्ष्म तथा मर्मस्पर्शी होता है। कहानी में एक देश और एक काल की जरुरत होती है। सन साठ के बाद की कहानियों का तेवर बदला हुआ है। इन कहानियों को साठोत्तरी कहानी कहा जाता है। इस दौर में कई कहानी आंदोलन चले जिनमें अकहानी, सहज कहानी, सचेतन कहानी, समांतर कहानी और सकिय कहानी आंदोलन प्रमुख थे। बाद में जनवादी कहानी आंदोलन में इनका समाहार हो जाता है। नब्बे के दशक की कहानी और 21 वीं सदी के पहले दशक की कहानी का अभी तक समुचित मूल्यांकन नहीं हो पाया है लेकिन उनमें वैश्वीकरण, सूचना तंत्र और बाजारवाद की अनुगँज साफ सुनी जा सकती है। नब्बे का दशक दलित विमर्श और स्त्री विमर्श के उभार का दशक भी था। इस दशक में स्त्री सशक्तिकरण, उसके अधिकारों की लड़ाई और अभिव्यक्ति की छटपटाहट की अनुगूंज स्त्री रचनाकारों की कहानियों में बखूबी सुनाई देती है। इसी तरह दलित रचनाकारों ने भी अपनी स्वानुभूतियों के रंग से हिंदी कहानी को नया रंग और मोड़ दिया। आज के दौर में तकनीकी विकास को रेखांकित करती हुई और उससे उत्पन्न खतरों को व्याख्यायित करने वाली कहानियां भी खूब लिखी जा रही हैं।

साभार : विकिपीडिया

बच्चे पड़ रहे है गलत संगति में तो पेरेंट समय रहते ही कर लें देखभाल

हर कोई माता-पिता अपने बच्चे की परवरिश में कोई कसर नहीं छोडते। उनकी हर ख्वाहिश पूरी करने के लिए वह हर संभव प्रयास करते हैं। परंतु कभी-कभार बच्चे प्यार-प्यार में ही बिगडने लग जाते है। बच्चे अपनी मनमानी करनी शुरु कर देते हैं। इसके अलावा कई बार बच्चे गलत संगति में भी पडने लग जाते हैं। माता-पिता को बच्चों के इस बर्ताव के बारे में पता भी नहीं चलता। बच्चे के बोलने, चलने और उनकी कई आदतों से आप उनके बिहेवियर में आ रहे बदलावों के बारे में पता कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ ऐसी बातें जिनसे आप बच्चे को समय रहते ही सुधार सकते हैं।

चलने और बोलने के तरीके से

आप बच्चे के बोलने और चलने के तरीके से उनके बिहेवियर का पता कर सकते हैं। यह बदलाव उनकी संगति बदलने के कारण भी हो सकता है। यदि आपका बच्चा कोई गलत शब्द अपनी भाषा में इस्तेमाल कर रहा है या फिर कोई अजीब सा फैशन स्टाइल फॉलो कर रहा है तो वो गलत संगति में पड चुका है। समय रहते ही आप बच्चे को समझाना शुरु कर दें।

घर देरी से आना

बच्चे यदि स्कूल या फिर अपने ट्यूशन सैंटर से लेट आ रहे हैं तो इसका अर्थ है कि वह स्कूल के बाद का समय अपने दोस्तों के साथ बिता रहा है। यदि आपका बच्चा घर में देर से आने की वजह आपसे छुपाए तो उसे बिल्कुल भी अनदेखा न करें। आप खुद ही कोशिश करके उनके घर में देर से आने का कारण पता करने की कोशिश करें।

नए दोस्तों से भी रहें सतर्क

बढती उम्र के साथ बच्चे के स्वभाव में भी कई तरह के बदलाव आते हैं। इस दौरान बच्चे नए दोस्त भी बनाना शुरु कर देते हैं। लेकिन यदि आपका बच्चा अपने नए दोस्तों के साथ बिता रहा है तो आप थोडा ध्यान जरुर दें। दोस्तों को देख-देखकर बच्चे बुरी आदतों को अपनाना शुरु कर देते हैं। आप बच्चों के नए दोस्तों से भी मिलते रहें। यदि आपको उनके दोस्तों को स्वभाव अच्छा नहीं लग रहा तो बच्चे को समझाएं और उनसे दूर रहने के लिए कहें।

झूठ बोलना

बच्चे यदि माता-पिता से सफेद झूठ बोलने लगें तो यह भी उनके गलत संगति का ही एक असर हो सकता है। अगर आपका बच्चा आपसे बातें छुपाना शुरु कर रहा है तो समझ जाएं कि उस पर संगति का प्रभाव पड़ रहा है। आप बच्चे को प्यार से समझाने की कोशिश करें। इसके अलावा आप बच्चों की हरकतों पर भी नजर रखें।

ज्यादा पैसे खर्च करना

यदि आपका बच्चा बात-बात पर गुस्सा कर रहा है तो यह भी उसकी गलत संगति का असर हो सकता है। गलत शब्दों का प्रयोग, बड़ों के साथ दुर्व्यवहार करना भी बच्चे की बुरी संगति का असर हो सकता है। कभी-कभार बच्चे अपने माता-पिता से सवाल करना भी शुरु कर देते हैं और पैसे भी जमकर खर्च करने लगते हैं।

कैसे सुधारें बच्चे को

यदि बच्चा गलत संगति में पड़ता है तो उसे बाहर निकालने के लिए पहले आप बच्चे के दोस्त बनना शुरु करें। ऐसे बच्चा अपने दिल की सारी बातें आपसे शेयर करने लगेगा। बच्चे की किसी भी गलत हरकत पर आप उसे सीधे मना न करें, ऐसे में बच्चा ज्यादा जिद्दी हो सकता है। आप बच्चे को डांटने के अलावा प्यार से समझाने की कोशिश करें। इसके अलावा आप बच्चों को उनकी गलतियों के बारे में भी बताएं।

विधायक विनोद अग्रवाल के जन्मदिन के अवसर पर विधायक खेल महोत्सव का १ जून से शुभारंभ

जिले का पहला उपक्रम १ से ५ जून तक होंगे विभिन्न खेल : ५००० खिलाड़ी होंगे शामिल



बुलंद गोंदिया - जनता के विधायक विनोद अग्रवाल के जन्मदिन के अवसर पर गोंदिया विधानसभा जनता की पार्टी चाबी संगठन द्वारा जिला क्रीडा संकुल गोंदिया में विधायक खेल महोत्सव के माध्यम से विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया है। जिसका शुभारंभ 1 जून को होगा। उपरोक्त खेल महोत्सव 1 से 5 जून तक चलेगा, जिसमें गोंदिया जिले के करीब 5000 खिलाड़ी शामिल होंगे। प्रतियोगिता में 1 जून से को शॉर्टपुट (महिला व पुरुष), 100 मीटर (पुरुष व महिला), 1600 मीटर (पुरुष), 800 मीटर (महिला) 2 जून, कबड्डी (पुरुष), 3 जून को साइक्लोथॉन होगा। 5 जून को महिलाओं और पुरुषों (15 वर्ष से अधिक) के लिए खेल का प्रारुप इस तरह से बनाया गया है। इस खेल में भाग लेने के लिए पंजीकरण पूरी तरह से नि:शुल्क है। पंजीकरण के लिए एक ऑनलाइन लिंक भी प्रदान किया गया था, जिसमें आपको अपनी पूरी जानकारी के साथ फॉर्म भरना होगा। फॉर्म भरने में किसी प्रकार की कठिनाई होने पर 7264075176 नंबर दिया गया। यह प्रतियोगिता केवल गोंदिया जिले के निवासियों के लिए आयोजित की गयी है।

गोंदिया जिले में पहली बार इस तरह का खेल महोत्सव आयोजित किया गया हैं। विधायक विनोद अग्रवाल के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम के माध्यम से खिलाड़ियों की प्रतिभा को उजागर करने का अवसर प्रदान करेगा। खेल के इस आयोजन से कई खिलाड़ी उभरकर सामने आएंगे। जिले में कई युवा पुलिस भर्ती, सेना भर्ती की तैयारी कर रहे हैं, इस पहल से उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। साथ ही पर्यावरण की दृष्टि से प्रदूषण को नियंत्रित करने का सार्थक संदेश देने के लिए जिले में साइक्लोथॉन का भी आयोजन किया गया है। साइक्लोथॉन लोगों को एक अच्छा संदेश देगा, ताकि वे पर्यावरण की स्वाभाविकता को संतुलित करने के लिए कदम उठा सकें। इस तरह से खेलों का आयोजन किया जाता है और जिले में खिलाड़ियों को अवसर प्रदान किए जाते हैं। कार्यक्रम के संयोजक समीर आरेकर जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा जनता की पार्टी एवं सह संयोजक अजीत टेंभरे विधानसभा प्रमुख युवा मोर्चा, एवं कार्यक्रम की जानकारी के लिए नगर अध्यक्ष, युवा मोर्चा गोंदिया शहर एवं ग्रामीण अध्यक्ष शेखर सहरे से संपर्क करे।

बढ़ती महंगाई, जिवनावश्यक वस्तुओं के बढ़ते दाम, बढ़ती बेरोजगारी एवं अन्य

जनविरोधी नितीयों के खिलाफ भाकपा का आंदोलन



बुलंद गोंदिया - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सहित वाम दलो का दि. 25 मई से 31 मई 2022 तक महंगाई और बेरोजगारी विरोधी आंदोलन के तहत आज भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की गोंदिया जिला शाखा द्वारा एसडीओ कार्यालय गोंदिया पर मोर्चा-प्रदर्शन आंदोलन कर प्रधानमंत्री और राज्य के .मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जिसमे पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस आदि की किमतों मे हो रही वृद्धी और अब मोदी सरकार द्वारा पेट्रोल-डिजल से वैट कम कर इनकी किमते कम करने का दावा करना याने पहले मनमाना लुट और अब कुछ छुट जैसा हैं।

लोगो को जिने के लिए लगने वाली जरुरत की जिवनावश्यक चीजे अनाज, चावल, गेहु, दाले, तेल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। बिजली के बिल, बच्चो की पढ़ाई लिखाई के खर्चे, फिस मे बढ़ोत्तरी, स्टेशनरी, युनिफार्म और किताबो के दामो मे वृद्धी, रेल बस के किराए मे बढ़ोत्तरी, स्वास्थ्य सेवाओ का निजीकरण और दवाईयों के बेहताशा बढ़ते दामों ने जीना मुश्किल कर दिया है। एक तरफ किसानो की उपज को लागत खर्च से भी कम दाम मिल रहा है वही दुसरी ओर कृषिपयोगी चिजो (बिज, खाद, किटनाशक, बिजली बिल, मजदुरी, कृषि यंत्र आदि) के दामो मे अभूतपूर्व वृद्धी होने से किसान हलाकान है। सरकार की गलत नितीयों के कारण महंगाई, बेरोजगारी बढ़ रही है और लोगो की आमदनी घट रही है। जिससे गरीब, मध्यम वर्ग, प्राइवेट कंपनीयो मे नौकरी करने वाले, छोटे व्यापारी, असंगठित क्षेत्र के मजदुर इस भीषण महंगाई की मार झेल रहे हैं। सरकार की इन्ही नितीयों के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के देशव्यापी आंदोलन के तहत आज मोर्चा प्रदर्शन आंदोलन किया गया। जिसमे प्रमुखता से हौसलाल रहांगडाले, मिलिंद गणवीर, रामचंद्र पाटील, शेखर कनोजीया, कॉ. करुणा गणवीर, प्रल्हाद ऊके, कॉ.परेश दुरुगवार, चरणदास भावे, शंकर बिंझलेकर, बाबुराव राऊत, चौतराम दियेवार, गुणंतराव नाईक, जितेंद्र गजभिए, प्रकाश डहाट, नेवल मारगाये आदि कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामील थे।

विधायक रहांगडाले ने किया ८२ लाख के विकास कार्यों का भूमि पूजन



बुलंद गोंदिया - तिरोड़ा गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र विधायक विजय रहांगडाले ने सारंडी जिला परिषद के तहत खोपड़ा में मातोश्री पानदान रास्ता योजना के तहत सड़क निर्माण 25. लाख, विधायक स्थानीय विकास निधि के तहत ईसापुर में चावड़ी निर्माण 3 लाख, खोपाड़ा में चावड़ी निर्माण 3 लाख, सीमेंट ड्रेनेज का निर्माण के तहत केसलवाड़ा में विशेष दलित बस्ती 10 लाख, मनरेगा के तहत सीमेंट रोड 20 लाख, ग्रामीण विकास कोष के तहत सीमेंट रोड 5 लाख, विधायक स्थानीय विकास कोष के तहत चावड़ी का निर्माण 3 लाख, मनरेगा सड़क निर्माण के तहत येदमाकोट में भूमि पूजन 8 लाख, विधायक स्थानीय सभा भवन के अंतर्गत 5 लाख की धनराशि से कुल 82 लाख स्वीकृत कार्य किया गया। रजनी कुंभारे, पीएस सदस्य प्रमिला भालाई, वनिता भंडारकर, भाजपा युवा मोर्चा तालुका अध्यक्ष रवींद्र वाहिले, सरपंच अनीता कुकडे, सरपंच निशा बावनकर, सरपंच राजू कापसे, सेवा सह-अध्यक्ष उत्तम कुकडे, वीपी उप सरपंच सोनू भंडारकर, सदस्य शिवशंकर मालवार, अनीता पिपरेते, कुंडा फतेह, ओमप्रकाश भेलवे, भाजपा न्याय मंत्री रोहित शहरे, शिवशंकर शेंडे, संतोष बावनकर, तालुका के महामंत्री राम प्रकाश पटले, जितेंद्र भालाई और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा ५ जून को

बुलंद संवाददाता देवरी - एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की पूर्व प्रवेश परीक्षा 5 जून 2022 को सुबह 11 बजे से 1 बजे तक होगी, परियोजना अधिकारी विकास राचेलवार ने एक परिपत्र में घोषणा की है। यह प्रवेश प्रक्रिया शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए छठी कक्षा से निचे और सातवीं से नौवीं के लिए है।

इसे खाली दुनिया के बैकलॉग को भरने के लिए लागू किया जा रहा है। सर्कुलर में कहा गया है कि एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना, देवरी जिला, गोंदिया के तहत क्षेत्र के छात्रों के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के लिए पूर्व प्रवेश आवेदन ऑफलाइन आयुक्त एवं सदस्य सचिव, महाराष्ट्र ट्राइबल पब्लिक स्कूल सोसायटी, नासिक मे जमा किया जाना चाहिए।

राज्य में जनजातीय विकास विभाग के अंतर्गत संचालित अंग्रेजी माध्यम के सभी एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय 5, 6 और 7 से 9 में रिक्तियों को भरने के लिए अनुसूचित जनजाति के छात्रों से ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सूची को परियोजना कार्यालय तालुका वार में पोस्ट किया गया है ताकि छात्र के माता-पिता और शिक्षक पूर्व-प्रवेश प्रतियोगी परीक्षा में आने से पहले उसकी पुष्टि करें और माता-पिता ६ अभिभावकों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की छठी कक्षा में 60 विद्यार्थियों को मेरिट सूची के अनुसार मेरिट प्रवेश दिया जाएगा। महाराष्ट्र ट्राइबल पब्लिक स्कूल सोसाइटी नासिक की प्रवेश प्रक्रिया में अंतिम बात होगी। गोंदिया जिला एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय बोरगांव बाजार चिचगड रोड में छात्रों के लिए परीक्षा केंद्र तालुका देवरी गोंदिया जिले में स्थित है। परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र पर प्रात: 9.00 बजे उपस्थित हों। छात्रों को परीक्षा के लिए अपना आधार कार्ड या अन्य पहचान पत्र लाना आवश्यक है। परीक्षा केंद्र पर छात्रों को नीले पेन, पेपर पैड, पानी की बोतलें और अन्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।



एसटी बस सेवा प्रदेश की प्रगति का अभिन्न अंग - मुख्यमंत्री ठाकरे

एसटी ने राज्य के भविष्य को आकार देने और संस्कृति को संरक्षित करने का काम किया

महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम अमृत महोत्सव वर्ष पदार्पण समारोह



बुलंद संवाददाता पुणे - राज्य परिवहन निगम की बस सेवा राज्य की प्रगति का अभिन्न अंग थी और रहेगी। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य परिवहन निगम के अमृत महोत्सव के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि एसटी ने राज्य के भविष्य को आकार देने और संस्कृति को संरक्षित करने का काम किया।

वे पुणे के बालगंधर्व रंगमंदिर में आयोजित महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम अमृत महोत्सव के उद्घाटन समारोह में टेलीविजन प्रणाली के माध्यम से बोल रहे थे। परिवहन मंत्री अधिवक्ता अनिल परब, विधान परिषद की उपाध्यक्ष डॉ. नीलम गोरहे, सांसद गिरीश बापट, परिवहन निगम के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शेखर चन्ने, मुख्य सुरक्षा एवं सतर्कता अधिकारी एम. के. भोसले, पुणे संभागीय नियंत्रक रमाकांत गायकवाड़ आदि उपस्थित थे।

ठाकरे ने कहा कि देश जहां आजादी के 75 साल पूरे कर रहा है, वहीं अनुसूचित जनजाति भी अमृत महोत्सव के साल में अपना आगाज कर रही है. एसटी पिछले 75 साल से आम आदमी को सस्ती कीमत पर उसकी मंजिल तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। एसटी ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली बच्चों के भविष्य को आकार देने में भी भूमिका निभाता है। पंढरी वारी जाने वाले वारकरियों का आशीर्वाद लेते हुए एसटी के माध्यम से संस्कृति को भी संरक्षित किया जा रहा है।

<u>एसटी के गौरवशाली इतिहास को लोगों के ध्यान में लाया जाना चाहिए</u>

कोरोना काल में जब कई जोखिम थे, तब एसटी कर्मियों ने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। एसटी राज्य के हर क्षेत्र में, हर दिन और जीवन के हर पल में शामिल है। आप कई ऐसे लोगों से मिलेंगे जो कहते हैं कि एसटी ने उनके जीवन को खुशहाल बना दिया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एसटी की यात्रा को वीडियो के माध्यम से आम आदमी तक पहुंचाया जाएगा।

<u>बदलते समय के साथ नई अवधारणाओं को अपनाना</u>

राज्य परिवहन निगम की बस सेवाओं में सुधार करते हुए सरकार नई अवधारणाएं अपना रही है। सबसे अधिक संख्या में इलेक्ट्रिक बसें लाने वाला मुंबई देश का पहला शहर बन गया। इलेक्ट्रिक बस तकनीक नई है, इसकी आदत पड़ने में समय लगेगा। यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाने की आवश्यकता है कि एसटी सेवाएं प्रदूषण मुक्त हों। उन्होंने कहा- हमारा लक्ष्य समय की जरूरतों और तकनीक में हो रहे बदलावों के मुताबिक प्रगति करना है। मुख्यमंत्री ठाकरे ने यह भी कहा कि एसटी बस पुणे से शु? हुई और अमृत महोत्सव पुणे में ही शुरु हो रहा है।

<u>आइए हाथ में हाथ डाले जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाएं</u>

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार एसटी कर्मचारियों को उनके परिवार के सदस्य के रुप में देख रही है. सस्ती दरों पर सेवाएं प्रदान करते हुए आम आदमी को नुकसान उठाना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अगले कुछ वर्षो के लिए एसटी कर्मचारियों के वेतन की गारंटी दी है। राज्य परिवहन निगम अपने कर्मचारियों को हर संभव सहायता देना जारी रखेगा। कर्मचारियों को यह भी समझना चाहिए कि हम एक महान गौरव का हिस्सा हैं। महाराष्ट्र हमारा परिवार है, इसके हर सदस्य को खुश और संतुष्ट रखना हम सबका कर्तव्य है। एसटी कर्मी राज्य की प्रगति का अभिन्न अंग हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से जनसेवा के संकल्प को जारी रखने की अपील की।

<u>परिवहन को मिलेगा गौरव - परिवहन मंत्री अनिल पराबी</u>

एसटी महाराष्ट्र की जीवन रेखा है और सरकार एसटी के पिछले गौरव को फिर से हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। इसके लिए सरकार फंड की कमी नहीं होने देगी। अमृतमहोत्सव की शुरुआत जाए, इस पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए माल ढुलाई पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। एसटी बदलाव का सामना कर रहा है और आज पहली एसटी इलेक्ट्रिक बस शिवाई बस को लॉन्च किया गया है। अधिवक्ता परब ने कोरोना संकट के समय को भूलकर एसटी के गौरव के लिए नए सिरे से शुरुआत करने की अपील की। आइए हम यात्री सेवा, कर्मचारियों की देखभाल और अपने व्यावसायिक कर्तव्यों के प्रति प्रेम की तिकड़ी पर काम करें, उन्होंने कहा।

<u>सक्षम एवं कुशल सेवा प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य - डॉ. नीलम गोरहे</u>

उपाध्यक्ष डॉ. गोरहे ने कहा कि अनुसूचित जनजाति ने सक्षम और कुशल सेवाएं प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है. बदलते समय के साथ एसटी ने कदम रखा है। निमाराम के लिए आराम और साथ ही आज शुरु की गई नई शिवाई बस सेवा इसका संकेत है। यह बहुत खुशी की बात है कि जल्द ही इस सेवा का पूरे राज्य में विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने दुर्घटना मुक्त सेवा के लिए चालकों की सराहना की, उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य सरकार जनशक्ति के विकास और एसटी निगम के विकास के लिए उनके साथ है।



परिचय में चन्ने ने कहा कि लालपरी ने महाराष्ट्र के कई हिस्सों में अहम भूमिका निभाई है। प्रदेश में 36 बसों से शुरु होकर एसटी 250 से ज्यादा डिपो और 17,000 बसों तक पहुंच चुकी है। कोरोना काल में एसटी ने राज्य के बाहर से छात्रों को अपने गृहनगर लाने में भी अहम भूमिका निभाई। जबकि स्थानीय सेवाएं जनता के लिए बंद थीं, एसटी ने कई लोगों को परिवहन सेवाएं प्रदान कीं। कॉरपोरेशन ने वाणिज्यिक आधार पर माल ढुलाई सेवा शुरु की है और महाकार्गो ब्रांड विकसित किया है क्योंकि इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में निगम तकनीकी रुप से सक्षम बस सेवा उपलब्ध कराने का प्रयास करेगा।

इस अवसर पर राज्य परिवहन निगम बस सेवा के अमृत महोत्सव के शानदार प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए एक वीडियो दिखाया गया। इस अवसर पर 25 वर्षो से अधिक समय से दुर्घटना मुक्त सेवा प्रदान करने वाले 30 ड्राइवरों को सम्मानित किया गया।

राष्ट्र सेविका समिति का प्रारंभिक प्रशिक्षण शिविर ४ जून से

बुलंद गोंदिया - राष्ट्र सेविका समिति का एक सप्ताह का जिला स्तरीय प्रारंभिक प्रशिक्षण शिविर आगामी 4 जून से लेकर 11 जून तक स्थानीय रामनगर, सूर्याटोला स्थित सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में शिविर का आयोजन किया गया है। जिले की बहने एवं मातृशक्ति इस शिविर में हिस्सा लेंगी। इस शिविर में 12 वर्ष से ऊपर की बहने भाग ले सकती हैं। राष्ट्र सेविका समिति विगत 85 वर्षों से समाज में मातृत्व एवं तेजस्विता के गुणों का विकास कर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मातृशक्ति के बीच में कार्य कर रही है। शिविर में प्रात: 5 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक शारीरिक विकास, मानसिक एवं बौद्धिक विकास हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण हेतु गीत और विभिन्न विषयों पर चर्चा, शारीरिक व्यायाम में दंड चलाना डंबल लेझीम आदि चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बालिकाएं परिवार से दूर स्वावलंबन, अनुशासित जीवन शैली ,सहयोग की भावना, सर्वोच्च आदि क्रियाओं से स्वयं को जोड़ना सीखेंगी। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद में स्वयं उत्तरदायित्व निभाने के साथ समाज निर्माण में भागीदार बनेगी ऐसा विचार जिले की कार्यवाहिका श्रीमती वीणा धानोरकर ने अपने विचार व्यक्त किये हैं। शिविर में सहभागिता हेतू सुषमा यदुवंशी 8793360333, निर्मला बोरसे 7498623503, दीप्ती तावाड़े 8888024257 से संपर्क कर सकते हैं।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।